नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

देश और समाज के निर्माण में करें योगदान- कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

हिंदी विश्वविद्यालय में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह

वर्धा, 15 अगस्त 2018: भारत को स्वतंत्र करने में हमारे देश के निर्माताओं ने अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए अपना बलिदान दिया। उनके त्याग को याद करते हुए हमें देश और समाज के निर्माण में योगदान देने की आवश्यकता है। स्वतंत्र भारत अपने 72वें स्वाधीनता दिवस विकास के क्रम में अग्रसर हो रहा है। हमें संस्थाओं के विकास को केंद्र में रखकर प्रतिबद्ध होना चाहिए। उक्त आशय के विचार महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने व्यक्त किये। वे भारतीय स्वाधीनता के 72वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर

ध्वजारोहण के बाद विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित कर रहे थे।

स्वतंत्रता दिवस पर कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने विश्वविद्यालय के अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ भवन के प्रांगण में ध्वजारोहण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा विश्वविद्यालय बीस वर्ष में अनेक पाठ्यक्रम निर्माण कर शैक्षणिक विकास में आगे बढ़ रहा है। अकादमिक विकास के साथ विश्वविद्यालय प्रशासनिक सुधार में भी आगे बढ़ रहा है। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या में काफी इज़ाफा हुआ है। हम अनेक कार्यक्रम एवं उपक्रमों को आयोजित कर विद्यार्थियों के समस्त विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में अनेक पाठ्यक्रमों को शुरू करने का इरादा है जिससे हिंदी को आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के ज्ञान, शांति और मैत्री इन तीन शब्दों को संजोते हुए हम हिंदी को समृद्ध करने के कार्य में प्रतिबद्ध हैं।

ध्वजारोहण के पहले कुलपति प्रो. मिश्र ने गांधी हिल्स पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कोलकाता केंद्र से पधारे विद्यार्थियों ने रवींद्रनाथ ठाकुर की रचना 'एकला चलो रे...' गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. आनंद वर्धन शर्मा, कार्यकारी कुलसचिव क़ादर नवाज़ ख़ान, विभिन्न विद्यापीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अध्यापक, अधिकारी, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।